

gebildet, ein Gebildeter: श्रुतं कृत्धियो सङ्गाज्ञायते Spr. 3038.  
 कृतप्रज्ञ (कृत + प्रज्ञा) adj. klug Spr. 3457. KATHĀS. 60, 10.  
 कृतबुद्धि Spr. 3279. KATHĀS. 60, 2. वनगमनाय VIKR. 86, 19. einsichtsvoll  
 VARĀH. BRH. S. 69, 11. Zu M. 1, 97 vgl. MBH. 5, 110.  
 कृतभग m. N. pr. eines Mannes; pl. Saṁsk. K. 183, b, 11.  
 कृतमाल 2) BHĀG. P. 10, 79, 16.  
 कृतयशस् Verfasser von RV. 9, 108, 10, 11.  
 कृतरथ vgl. कीर्तिरथ, कृत्तिरथ.  
 कृतलक्षण 1) gekennzeichnet GOBH. 2, 1, 3. MBH. 3, 11241, 11245.  
 कृतविलास (कृत + वि०) m. N. pr. eines Mannes Verz. d. Oxf. H. 281, a, 13.  
 कृतशौच (कृत + शौच) N. pr. einer Oertlichkeit Verz. d. Oxf. H. 39, b, 24.  
 कृतस्तीम n. Bez. bestimmter Stoma Ind. St. 8, 110.  
 कृतस्थली (कृत + स्थल) f. eine best. Personification (eig. deren Grund  
 zubereitet ist) TS. 4, 4, 3, 1. — Vgl. क्रतुस्थला.  
 कृताकृत 3) halb gethan: इदं कृतमिदं कार्यमिदमन्यत्कृताकृतम् Spr.  
 3742. — 4) beliebig, willkürlich ĀCV. ÇR. 2, 17, 17. GRH. 1, 3, 4. PRAJO-  
 GAR. 29, b, 8. indifferent: कार्यते यच्च क्रियते सच्चसच्च कृताकृतम् । तत्रा-  
 च्यसीत सत्कृत्वा अस्तकृत्वा न विश्वमेत् ॥ MBH. 13, 7612.  
 कृताकृत्यसम m. pl. N. einer Secte WILSON, Sel. Works 4, 20.  
 कृतासकालामुर m. N. pr. eines Asura: °वध Verz. d. Oxf. H. 78, b, 48.  
 कृतासंत्रास (कृ + सं०) m. N. pr. eines Rākshasa KATHĀS. 86, 137.  
 कृतार्थ, पूर्व कृतार्थो मित्राणां न तत्प्रतिकरोति यः Spr. 4565. स्व० KA-  
 THĀS. 99, 42. कृतार्थीकृत्य 74, 125. कृतार्थता 52, 363. 123, 248. कृतार्थत्व  
 SĀH. D. 220, 6.  
 कृतार्थ्य (von कृतार्थ), °यति Jmdes Wünsche erfüllen, Jmd zufrieden-  
 stellen KATHĀS. 54, 61.  
 कृतार्थीकरणा (von कृतार्थ + 1. कर) adj. zufriedenstellend KATHĀS. 94, 25.  
 1. कृति ein Schüler Hiraṇjanābha's Verz. d. Oxf. H. 55, b, 19, 27.  
 2. कृति 1) कृति: प्रयत्नः TARKAS. 53. — 3) MBH. 13, 2254. fg. ist कृत्या  
 (2255 liest die ed. Bomb. कृत्या!) in der Bed. eine böse Fee anzuneh-  
 men. — 5) Bez. der Zahl zwanzig VARĀH. BRH. 8, 9. — 6) Quadrat VARĀH.  
 BRH. 7, 5. — 8) ein viersilbiges Metrum Ind. St. 8, 107, 110. — 9) Gesamt-  
 name für die Metra कृति, प्र०, अा०, वि०, सं०, अमि० und उत्कृति Ind.  
 St. 8, 71. fg. 151. 277. 279. fg. — 10) in der Dramatik Bestätigung —,  
 Bewahrheitung einer Errungenschaft, = लब्धार्थशमन DAÇAK. 1, 48. =  
 लब्धार्थगमन SĀH. D. 397. = लब्धस्थिरीकरणा PRATĀPAR. 22, b, 2. 43, a, 6.  
 कृतिव n. nom. abstr. von कृतिन् 1) b) KATHĀS. 119, 209.  
 कृतिन् 1) a) Spr. 3964. — b) Spr. 1666. KATHĀS. 51, 199. — c) thätig  
 Spr. 3965. MBH. 12, 8632.  
 कृतिमत् 1) die ed. Bomb. liest richtig नानाविधाकृतिमताम्.  
 कृतिवास, कृतिवासेश्वरलिङ्ग Verz. d. Oxf. H. 71, b, 6.  
 कृत्यधीवासै (कृति + अ०) Hülle von Fell oder dergl. TBR. 3, 9, 30, 1.  
 कृत्य 3) a) füge Verrichtung hinzu. पुरेषु कृत्यामुपधारयेच्च MBH. 12,  
 3837. — b) पाप०, मरुदेव० Zauber MBH. 1, 678. eine böse Fee 13, 2254.  
 fg.; vgl. oben u. कृति 3). — 4) a) Thätigkeit SARVADARÇANAS. 83, 12. 84, 4.  
 5. 7. पूजायां नाविदत्कृत्यम् so v. a. er wusste nicht, wie er ihn ehren sollte,  
 BHĀG. P. 10, 71, 40. °कार seine Arbeit thuend Spr. 673. — c) Vorhaben  
 Spr. 4436. 4834.

कृत्यकल्पदुम m. Titel eines Werkes Verz. d. Oxf. H. 273, a, No. 646.  
 कृत्यकल्पलता f. desgl. ebend. 292, a, 4.  
 कृत्यकौमुदी f. desgl. ebend. 292, a, 5.  
 कृत्यचितामणि desgl. ebend. 278, a, 7. 292, a, 6. 365, a, No. 73.  
 कृत्यतत्त्वार्णव m. desgl. ebend. 278, a, 8. 292, a, 6.  
 कृत्यप्रदीप m. desgl. ebend. 292, a, 7.  
 कृत्यमहार्णव m. desgl. ebend. 292, a, 7.  
 कृत्यरत्न n. desgl. ebend. 279, a, 9.  
 कृत्यरत्नकार desgl. ebend. 292, a, 8.  
 कृत्यरत्नावली f. desgl. HALL 174.  
 कृत्यवत् 3) bedürftig, verlangend nach (instr.) R. 7, 92, 15.  
 कृत्यास्त्र (कृत्या + अस्त्र) n. Bez. eines best. Zauberspruchs Verz. d.  
 Oxf. H. 98, b, 8. 106, a, 36.  
 कृत्रिम 1) कृत्रिमे (देवयज्ञे) यज्ञेत् KĀTH. 25, 3. कृत्रिमेन्द्रोपाख्यान Verz.  
 d. Oxf. H. 354, a, 23. °अद्वा LA. (II) 89, 6. °विवाहलीला eine fingirte  
 Heirath als Spiel Verz. d. Oxf. H. 217, b, 42. पुत्र ein Adoptivsohn KA-  
 THĀS. 73, 60.  
 कृत्रिमपुत्रक, °लीला Verz. d. Oxf. H. 217, b, 44. °पुत्रिकालीला a, N. 2.  
 क्वम् AV. PRĀT. 4, 27.  
 कृत्स्न 3) m. N. pr. eines Mannes Saṁsk. K. 184, a, 11.  
 कृत्स्नव (von कृत्स्न) n. Gesamtheit KATHĀS. 75, 17.  
 कृत् vgl. तनू०, पुत्र०.  
 कृत्तं URĀDIS. 5, 41.  
 कृत्तु compar. und superl. KĀTH. 25, 7. 8. 10. 29, 8 (Gegens. वर्षीयम् u. s. w.).  
 कृत्तत्र 1) lies Kluft, Spalte; Zerklüftung und füge ÇĀNKH. BR. 11, 5.  
 26, 1 hinzu.  
 कृत्तन, शिरः० Spr. 4147. Z. 2 lies कृत्तनं नख०.  
 1. कृत्तपाण UGÉVAL. zu URĀDIS. 2, 79. 1) a) ein Armer VARĀH. BRH. S. 68,  
 56. 58. 72. फलशाकमपि (so die ed. Bomb.) श्रेयो भोक्तुं क्षुक्त्वापां (adv.)  
 गृहे MBH. 3, 13240. Z. 8. fg. HR. I, 127 gehört zu b); vgl. Spr. 2728.  
 — b) Spr. 3785. 3970. °निन्दा Verz. d. Oxf. H. 122, b, 23.  
 कृत्तनीळ vgl. कृत्तनील.  
 कृत्तय Z. 1 lies कृत्तयति.  
 कृत्तया 1) °सिन्धु m. ein Meer der Barmherzigkeit, überaus barmherzig  
 SARVADARÇANAS. 158, 19.  
 कृत्तयाण 1) DAÇAK. in BENF. Chr. 187, 4. — Vgl. अज्ञाकृत्तयाण.  
 कृत्तयाणक 2) कृत्या कृत्तयाणका KATHĀS. 53, 91. 78, 10. अकृत्तयाणिका  
 adj. 52, 46.  
 कृत्तयाणि m. N. pr. eines Mannes Verz. d. Oxf. H. 217, b, 33.  
 कृत्तयानील m. desgl. Saṁsk. K. 184, a, 10. — Vgl. कृत्तनीळ.  
 कृत्तयामय (von कृत्तया) adj. von Mitleid erfüllt: अत्यत्यसिद्धं (das suff. ge-  
 hört streng genommen zu अत्यत्यसिद्धकृत्तया) KATHĀS. 67, 84.  
 कृत्तयामि m. N. pr. eines Mannes Verz. d. Oxf. H. 122, a, 9.  
 कृत्तयालु DAÇAK. in BENF. Chr. 179, 17. 187, 9. °ता KATHĀS. 90, 138.  
 कृत्तयान्तु N. pr. einer Oertlichkeit Verz. d. Oxf. H. 338, b, 35. — Vgl.  
 क्रमवर्त.  
 कृत्तयि 1) a) कृत्तयिटादयः WEBER, RĀMAT. UP. 345. = कीट HALĀ. 3,  
 14. Spinne 2, 101. Seidenwurm 394. — b) HALĀ. 5, 37; vgl. कृत्तयिराग.